CRRI NEWSLETTER

CENTRAL RICE RESEARCH INSTITUTE
INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH
CUTTACK (ORISSA) 753 006, INDIA

Phone: 91-671-2367768-83 | *Fax:* 91-671-2367663 | *Telegram:* RICE
Email: crrictc@ori.nic.in *or* ctk_crriinfo@sancharnet.in *or* directorcrri@satyam.net.in
URL: http://www.crri.nic.in

Vol.30; No.1/2009 | ISSN 0972-5865 | January–March 2009

DG, ICAR Visits CRURRS, Hazaribag

RESEARCH Stations have an important role in implementing the Mandate of the Institute with specific objectives of attending to the needs of the farmers. I am sure that the CRURRS will continue to cater to the upliftment of the farming community," said Dr Mangala Rai, Secretary, DARE and Director-General, ICAR, while addressing the staff of the CRURRS, Hazaribag, during his visit on 9 Feb 2009.

Dr Mangala Rai also inaugurated the Rainout Shelter and the Biotechnology laboratory. He was accompanied by Dr N.N. Singh, Vice-Chancellor, Birsa Agricultural University (BAU), Ranchi and Dr B.N. Singh, Director (Research), BAU. Dr T.K. Adhya, Director, CRRI received them and Dr P.K. Sinha, OIC, coordinated.❄

During his visit Dr Mangala Rai, DG, ICAR (top right) is seen discussing the progress in research with Dr T.K. Adhya (second from right), Dr N.N. Singh (centre) and Dr P.K. Sinha. The photograph below shows Dr Mangala Rai inaugurating tthe Rainout Shelter.

महानिदेशक, भाकृअनुप का सीआरयूआरआरएस परिदर्शन

डॉ. मंगला राय, सचिव, डेयर तथा महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने ९ फरवरी २००९ को सीआरयूआरआरएस, हजारीबाग में अपने परिदर्शन के दौरान कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'किसानों की जरूरतों को पूरा करने की विशिष्ट लक्ष्यों के साथ संस्थान की अधिदेश के कार्यान्वयन में अनुसंधान केंद्रों की भूमिका महत्वपूर्ण है। मुझे विश्वास है कि किसान समुदाय के उत्थान के लिए यह केंद्र अपना योगदान जारी रखेगा।'

डॉ. मंगला राय ने रेनआउट शेल्टर तथा जैवप्रौद्योगिकी प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। उनके साथ बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति डॉ. एन.एन. सिंह तथा निदेशक डॉ. बी.एन. सिंह उपस्थित थे। डॉ. टी.के. अध्या, निदेशक, सीआरआर आई ने सबका स्वागत किया तथा सीआरयूआरआरएस के प्रभारी अधिकारी डॉ. पी.के. सिन्हा ने समन्वयन किया।❄

Photo below left: Dr Mangala Rai examines the exhibits. *Photo below centre:* After inaugurating the Biotechnology laboratory, Dr Mangala Rai has a look at the facility. *Photo below right:* Dr Mangala Rai released publications.

CRURRS, Hazaribag

Director, CRRI Evaluates Progress at KVK, Koderma

DR T.K. Adhya, Director, CRRI evaluated the progress of work at the KVK, Koderma on 7 Feb 2009. He visited the KVK and the on-farm trials around Koderma. He interacted with the officials from the State Department of Agriculture and the farmers.❄

KVK, Koderma

निदेशक द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र का मूल्यांकन

डॉ. टी.के. अध्या, निदेशक, सी आर आर आई ने ७ फरवरी २००९ को कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा तथा कोडरमा के आस पास के किसानों के खेतों में किए गए परिक्षणों का मूल्यांकन किया। उन्होंने राज्य कृषि विभाग के अधिकारियों तथा किसानों के साथ विचार-विमर्श किया।❄

During his visit to the KVK, Koderma, Dr T.K. Adhya, Director, CRRI evaluated the campus (top), interacted with farmers' in the farmers' field (below left) and discussed with officials from the State Department of Agriculture (below right).

IMC Meeting Held

THE 20th Institute Management Committee meeting of the CRRI was held on 13 Jan 2009 at Cuttack. It was Chaired by Dr T.K. Adhya, Director, CRRI. The Members present were Drs S.N. Shukla, Assistant Director-General (FFC), ICAR, New Delhi, Dibakar Naik, Dean (Research), Orissa University of Agriculture and Technology, Bhubaneswar, B. Giri, Joint Director (Agriculture), Government of Orissa, Bhubaneswar, K.S. Rao, Principal Scientist and Head, Crop Production Division, G.J.N. Rao, Principal Scientist and Head, Crop Improvement Division and Shri A.K. Lal, Finance and Accounts Officer, CIFA, Bhubaneswar. Shri S.K. Sinha, SAO, CRRI was the Member-Secretary. The IMC deliberated on the progress of research from Apr to Dec 2008 and the budgetary provision for 2008–09. Various administrative and financial decisions were cleared after discussion.❄

B. Behera

संस्थान प्रबंधन समिति बैठक आयोजित

संस्थान प्रबंधन समिति की २०वीं बैठक सी आर आर आई, कटक में १३ जनवरी २००९ आयोजित संपन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता सी आर आर आई के निदेशक डा. टी.के.अध्या ने की। डॉ. एस.एन.शुक्ला, सहायक महानिदेशक (एफएफसी), भा.कृ.अनु.प, नई दिल्ली, डॉ. दिबाकर नाएक, संकायाध्यक्ष (अनुसंधान), उड़ीसा कृषि तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, डॉ. बी.गिरी, संयुक्त निदेशक (कृषि), उड़ीसा सरकार, भुवनेश्वर, डॉ. के.एस.राव, प्रधान वैज्ञानिक तथा अध्यक्ष, फसल उत्पादन प्रभाग, डॉ. जे.जी.एन.राव, प्रधान वैज्ञानिक तथा अध्यक्ष, फसल उन्नयन प्रभाग तथा श्री ए.के.लाल, वित्त एवं लेखा अधिकारी, सीफा, भुवनेश्वर इस बैठक में उपस्थित थे। श्री एस.के.सिन्हा, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, सी आर आर आई इसके सदस्य सचिव थे। संस्थान प्रबंधन समिति ने वर्ष २००८ के अप्रैल से दिसंबर तक अनुसंधान की प्रगति तथा २००८-०९ के बजट प्रावधान पर विचार-विमर्श किया। विचार-विमर्श के बाद कई प्रशासनिक एवं वित्तीय निर्णयों को अंतिम रूप दिया गया।❄

AMAAS Meeting Reviews Progress

B. Behera

THE AMAAS has grown in strength based on its strong output," said Dr D.K. Arora, Director, National Bureau of Agriculturally Important Microorganisms (NBAIM), ICAR, Mau and National Coordinator of AMAAS during his address at the Review Meeting held at CRRI in Cuttack on 28 Jan 2009. Dr T.K. Adhya, Director, CRRI spoke on the progress in research at the CRRI. A total of 17 delegates deliberated on the progress of work at different centres and finalized the work plan. The AMAAS (Application of Microorganisms in Agriculture and Allied Sectors) is an all-India project started in 2006. The major objectives of AMAAS are: Deciphering the structural and functional diversity of microorganisms of extreme environments under different agro-ecological zones of India; Characterization of plant growth promoting rhizobacteria and to develop bioconsortium for enhanced growth and yield of important crop plants; Formulation of microbe or microbe-based preparations for biocontrol of phytopathogens, insect pests and weeds; Development of microbe-based technologies for agrowaste management and biodegradation for sustainable crop production; Harnessing microbial activities for bioremediation of organic and inorganic environmental pollutants; Management of abiotic stresses using microorganisms; and Development of microbe-mediated processes for product development and value addition in agriculture.❄

IJSC Meeting Held

THE 5th IJSC Meeting was held at CRURRS, Hazaribag on 6 Jan 2009. It was Chaired by Dr Anand Prakash, Principal Scientist and Head, Crop Protection Division. The Members were Drs S.N. Tewari and A.K. Mishra, Shri P.C. Naik, Shri S.K. Mathur, Shri Dillip Kumar Parida, Shri Satyabrata Nayak, Shri Sarat Chandra Pradhan, Shri Arun Panda, Shri Santosh Kumar Ojha, Shri Bijay Kumar Behera and Shri Bipin Bihari Das. Various staff welfare issues were discussed and finalized.❄

Republic Day Celebrated

DR T.K. Adhya unfurled the Indian National Flag at Cuttack during the celebrations of the 60th Republic Day. In his address to the staff he spoke on the achievements of the CRRI and asked them to address the challenges faced by the farmers.❄

एएमएएएस बैठक ने प्रगति की समीक्षा की

डॉ. डी.के. अरोडा, निदेशक राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो (एनबीएआईएम), माऊ तथा एएमएएएस के राष्ट्रीय समन्वयक ने २८ जनवरी २००९ को सीआरआरआई, कटक में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान अपने संबोधन में कहा कि 'अपने परिणामों के कारण एएमएएएस को मजबूती मिली है।'डॉ. टी.के. अध्या ने निदेशक, सीआरआरआई के अनुसंधान कार्य की प्रगति के बारे में कहा। कुल १७ प्रतिनिधियों ने विभिन्न केंद्रो में कार्य की प्रगति पर विचार-विमर्श किया तथा कार्य योजना को अंतिम रूप दिया। एएमएएएस (कृषि तथा तत्संबंधी क्षेत्रो में सूक्ष्मजीवों का अनुप्रयोग) वर्ष २००६ में आरंभ किया गया एक अखिल भारतीय परियोजना है। एएमएएएस के लक्ष्य हैं: भारत के विभिन्न कृषि-पारिस्थितिकीय क्षेत्रों के अंतर्गत उत्कट पर्यावरण के सूक्ष्मजीवों के संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक विविधता का अर्थ निकालना, पौध वृद्धि के लक्षण-वर्णन जिससे राइजोबैक्टरिया की बढ़त तथा प्रमुख फसलों की अच्छी वृद्धि एवं उपज के लिए जैवसंकाय का विकास, फाइटोरोगजनकों के जैवनियंत्रण के लिए जीवाणु-आधारित तैयारी या जीवाणु का सूत्रण, नाशकजीव तथा खरपतवार, टिकाऊ फसल उत्पादन हेतु तथा जैवनिम्नीकरण के लिए जीवाणु आधारित प्रौद्योगिकियों का विकास, जैविक तथा अजैविक पर्यावरण प्रदूषकों के जैवउपचार के लिए माइक्रोवायल क्रियाकलापों को काम में लाना, सूक्ष्मजीवों का प्रयोग करके अजैविक दवाबों का प्रबंधन, तथा कृषि में उत्पाद विकास और मूल्य वर्द्धन के लिए जीवाणु-मध्यस्था प्रक्रियाकरण का विकास करना है।❄

आईजेएससी बैठक आयोजित

आईजेएससी की ५वीं बैठक ६ जनवरी २००९ को सीआरयूआरआरएस, हजारीबाग में संपन्न हुई। डॉ आनंद प्रकाश, प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, फसल सुरक्षा प्रभाग ने इसकी अध्यक्षता की। डॉ.एस.एन. तिवारी, डॉ. ए.के.मिश्र, श्री पी.सी.नायक, श्री एस.के. माथुर, श्री दिलीप कुमार परिडा, श्री सत्यव्रत नायक, श्री शरत चंद्र प्रधान, श्री अरुण पंडा, श्री संतोष कुमार ओझा, श्री विजय कुमार बेहेरा तथा श्री विपिन बिहारी दास ने बैठक में भाग लिया। बैठक में कई कर्मचारी कल्याण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया एवं निर्णय लिया गया।❄

गणतंत्र दिवस आयोजित

डॉ. टी.के अध्या ने ६०वां गणतंत्र दिवस के अवसर पर सी आर आर आई, कटक में राष्ट्रीय झंडा फहराया। उन्होंने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए अपने भाषण में सी आर आर आई की उपलब्धियों के बारे में कहा तथा किसानों द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए समाधान हेतु आह्वान किया।❄

CAC Meets at Hazaribag

THE 2nd Meeting of the Consortium Advisory Committee (CAC) of the project "Allele Mining for Rice Blast Resistance Genes for the Development of Race Non-Specific Disease Resistance" was held at CRURRS, Hazaribag on 28 Feb 2009 under the Chairmanship of Prof. B.L. Jalali, Former Director of Research, HAU, Hisar. Dr R. Sridhar and Dr P.K. Sinha were the Members of the committee. The meeting was attended by Dr T.R. Sharma, PI of the Project at the lead institution (NRCPB) and partners from the IARI, New Delhi (Drs A.K. Singh, Plant Breeder and CCPI, U.D. Singh, PS and COPI); UAS, Mugad (Dr S.K. Prashanthi, CCPI, and N.C. Hanaramaratti COPI); HPKV, Palampur (Dr P. Plaha, CCPI); and CRURRS, Hazaribag (Drs M. Variar, CCPI and D. Maiti COPI).❄

हजारीबाग में सीएसी बैठक

सीआरयूआरआरएस, हजारीबाग में २८ फरवरी २००९ को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के भूतपूर्व अनुसंधान निदेशक प्रोफसर बी.एल.जलाली की अध्यक्षता में 'प्रजाति गैर-विशिष्ट रोग प्रतिरोधिता के विकास हेतु चावल प्रध्वंस प्रतिरोधिता जीनों के लिए अलएल खनन' शीर्षक परियोजना के संकाय सलाहकार समिति की द्वितीय बैठक आयोजित की गई। डॉ.आर.श्रीधर तथा डॉ. पी.के. सिन्हा इस समिति के सदस्य हैं। डॉ. टी.आर. शर्मा, इस परियोजना के अग्रणी संस्थान (एनआरसीपीबी) के प्रधान अन्वेषक तथा आईएआरआई, नई दिल्ली से (डॉ. ए.के.सिंह, पौध प्रजनक एवं सीसीपीआई, डॉ यू.डी.सिंह, प्रधान वैज्ञानिक तथा सीओपी आई); यूएएस, मुगाड से (डॉ. एस.के. प्रशांति, सीसीपीआई तथा एन.सी. हनारामराट्टी सीसीपीआई) हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर से (डॉ.पी.प्लाहा, सीसीपीआई); तथा सीआरयूआरआरएस, हजारीबाग से (डॉ.एम. वरियर, सीसीपीआई तथा डॉ.डी.मैती, सीओपीआई) सहभागियों ने भाग लिया।❄

PPL Training Programme Held

TWENTYSIX progressive farmers from the districts of Khurda and Dhenkanal were trained in a programme sponsored by the Paradeep Phosphates Limited, Bhubaneswar at the CRRI, Cuttack from 13 to 15 Jan 2009.❄

पीपीएल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सीआरआरआई, कटक में १३ से १५ जनवरी २००९ के दौरान आयोजित पारादीप फॉस्फेट लिमिटेड, भुवनेश्वर द्वारा प्रायोजित एक कार्यक्रम में खुर्दा एवं ढेंकानाल जिलों के छब्बीस प्रगतिशील किसानों को प्रशिक्षित किया गया।❄

Interaction Programme on SRI

B. Behera

SRI Method of Rice Cultivation" was the title of the farmer-scientist interaction programme sponsored by ATMA, Cuttack at CRRI, Cuttack on 16 Jan 2009. Fifty farmers from different districts participated.❄

एसआरआई पर विचार-विनिमय कार्यक्रम

सीआरआरआई, कटक में १६ जनवरी २००९ को 'आत्मा' द्वारा प्रायोजित किसान-वैज्ञानिक विचार-विनिमय कार्यक्रम का शीर्षक 'एसआरआई पद्धति से चावल खेती' था। विभिन्न जिलों से पचास किसानों ने भाग लिया।❄

NAIP Training Workshop Held

Subashish Das

TWENTYFIVE trainees from the PDCSR, Modipuram, IGAU, Raipur, TNAU, Coimbatore, IISS, Bhopal and APRRI, RARS, Maruteru were trained in a 10-day's training workshop under the National Agriculture Innovation Project (NAIP) Component-4 (2031): Sub-programme on "Soil Organic Carbon Dynamics vis-à-vis Anticipatory Climatic Changes and Crop Adaptation Strategies" at CRRI, Cuttack from 16 to 25 Feb 2009. The technical sessions comprised of 14 lectures and eight hands on practicals dealing with soil organic carbon decomposition, its kinetics, GH gas emission, microbial and insect diversities, metagenomics, rice-based cropping system, and rice varieties in relation to anticipatory climatic changes.❄

एनएआईपी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय कृषि नवोन्मेष परियोजना के घटक-४ (२०३१): उप कार्यक्रम 'मृदा जैविक कार्बन गतिकी के मुकाबले पूर्वाभासी मौसम परिवर्तन तथा फसल अनुकूलन रणनीतियां' विषय पर सीआरआरआई, कटक में १६ से २५ फरवरी २००९ के दौरान पीडीसीएसआर, मोदिपुरम, आईजीएयू, रायपुर, टीएनएयू, कोयांबटूर, आईआईएसएस, भोपाल तथा एपीआरआरआई, आरएआरएस, मारुतेरु से आए पच्चीस प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। तकनीकी सत्रों में १४ व्याख्यान दिये गये तथा पूर्वाभासी मौसम परिवर्तनों से संबंधित मृदा जैविक कार्बन निम्नीकरण, इसकी गतिकी, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, माइक्रोबायल तथा कीट विविधताएं, मेटाजेनोमिक्स, चावल आधारित फसल प्रणाली तथा चावल किस्मों जैसे विषयों पर ८ प्रत्यक्ष प्रयोग कार्यक्रम शामिल किये गये थे।❄

PVT Evaluated in Village Samian

B. Behera

PARTICIPATORY Varietal Trials (Mother and Baby) in village Samian, Badchara block, Jajpur district, Orissa were evaluated on 23 Mar 2009 by Drs T.K. Adhya, Director, CRRI, Cuttack, A. Kumar, IRRI, the Philippines, O.N. Singh, P. Samal, A. Ghosh and Padmini Swain from the CRRI, Cuttack, and Ayan Hazara, IRRI under the ADB-IRRI-ICAR funded project on "Development and Dissemination of Water-saving Rice Technology in South Asia and Drought-breeding Network." The experiments comprise of drought-tolerant rice lines with farmers' adopted varieties (Khandagiri and Lalat) grown under limited water conditions. The progress was discussed at a farmer interaction meeting.❄

IRRI-ICAR Project Reviewed

PROGRESS in the ADB-IRRI-ICAR funded project on "Development and Dissemination of Water-saving Rice Technology in South Asia," was discussed in the 3rd Annual Review and Planning Meeting at the IRRI, the Philippines. It comprised of a "Hands-on Training on Data Analysis" to delegates from the Bangladesh Rice Research Institute, Ghazipur, Bangladesh Rural Development Agency, Bogra, Rice Research Station, Kala Shah Kaku and Rice Research Institute, Dokri from Pakistan, Nepal Regional Agriculture Research Stations at Tarahara and Hardinath, and the CRRI, Cuttack from 16 to 18 Feb 2009 followed by the Review from 19 to 20 Feb 2009. Drs O.N. Singh, R.N. Dash and A. Ghosh from the CRRI participated in the Hands-on Training. They were joined by Dr T.K. Adhya, Director, CRRI.Dr A. Kumar, IRRI is the Coordinator. After a review of the progress of work in 2008, a Work Plan for 2009 was finalized.❄

सामियां गांव में पीवीटी का मूल्यांकन

उड़ीसा के जाजपुर जिले के बड़चणा प्रखंड के सामियां गांव में २३ मार्च २००९ को सीआरआरआई कटक के निदेशक डॉ.टी.के अध्या, आईआरआरआई, फिलीपाइन्स के डॉ. अरविंद कुमार, सीआरआरआई, कटक के डॉ.ओ.एन सिंह, डॉ. पी.सामल, डॉ. ए.घोष तथा डॉ.पद्मिनी स्वाईं तथा 'दक्षिण एशिया में जल-बचत चावल प्रौद्योगिकी का विकास एवं प्रचार' शीर्षक पर एडीबी-आईआरआरआई-आईसीएआर वित्त पोषित परियोजना के अंतर्गत डॉ.अयान हाजरा समेत एक दल द्वारा सहभागिता किस्म परीक्षणों का मूल्यांकन किया गया। सीमित जल परिस्थितियों के तहत किसानों द्वारा अपनाई गई किस्मों (खंडगिरि एवं ललाट) के साथ सूखा सहिष्णु चावल वंशों का परीक्षण शामिल था। एक किसान विचार-विनिमय कार्यक्रम में कार्य की प्रगति के बारे में विचार-विमर्श किया गया।❄

आईआरआरआई-आईसीएआर परियोजना की समीक्षा

'दक्षिण एशिया में जल-बचत चावल प्रौद्योगिकी का विकास एवं प्रचार' शीर्षक पर एडीबी-आईआरआरआई- आईसीएआर वित्त पोषित परियोजना की प्रगति के विषय में अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, फिलीपाइन्स में आयोजित तृतीय वार्षिक समीक्षा एवं योजना बैठक में विचार-विमर्श किया गया। समीक्षा में बंग्लादेश चावल अनुसंधान संस्थान, गाजीपुर, बंग्लादेश ग्रामीण विकास अधिकरण, बोगरा, चावल अनुसंधान केंद्र, काला शाह काकु एवं चावल अनुसंधान संस्थान, डोकरी, पाकिस्तान, नेपाल क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्रो, ताराहारा एवं हरदीनाथ तथा सीआरआरआई, कटक के प्रतिनिधियों को १६ से १८ फरवरी २००९ के दौरान 'आंकड़ा विश्लेषण' पर प्रशिक्षण दिया गया तथा १९ से २० फरवरी २००९ के दौरान समीक्षा की गई। सीआरआरआई से डॉ. ओ.एन.सिंह, डॉ. आर.एन.दास तथा डॉ. ए.घोष ने प्रत्यक्ष प्रशिक्षण में भाग लिया। डॉ. टी.के.अध्या, निदेशक, सीआरआरआई ने समीक्षा बैठक में भाग लिया। डॉ. अरविंद कुमार, आईआरआरआई इसके समन्वयक थे। वर्ष २००८ के कार्य की प्रगति की समीक्षा करने के बाद वर्ष २००९ के लिए कार्य योजना को अंतिम रूप दिया गया।❄

Courtesy: IRRI

Courtesy: BMGF

STRASA Planning Workshop Held

THE Annual Review and Planning Workshop on "Stress Tolerant Rice for Poor Farmers in Africa and South Asia" was held at New Delhi from 16 to 18 Mar 2009. The Workshop reviewed the progress in STRASA and also the components of Drought Breeding Network, Eastern India Rainfed Lowland Shuttle Breeding Network, Upland Shuttle Breeding Network and Salinity Breeding Network that are funded by the Bill and Melinda Gates Foundation (BMGF). Dr S.P. Tiwari, Deputy Director-General (CS), ICAR, New Delhi chaired the opening session. Dr David Mackill, IRRI, the Philippines explained the objectives and expected outputs of the Workshop. Dr David Bergvinson, Program Officer, Science and Technology Global Development, BMGF spoke on the activities for the promotion of agriculture under the BMGF. Dr U.S. Singh is the Project Coordinator for South Asia, STRASA. Drs T.K. Adhya, D.P. Singh, K.R. Mahata, Sanjoy Saha, R.K. Sarkar, Bijoya Bhattacharjee, J.N. Reddy, Padmini Swain, P. Samal, Shri S.S.C. Patnaik and Shri B.C. Marandi from CRRI, Cuttack, and Drs P.K. Sinha, V.D. Shukla, M. Variar and N.P. Mandal from the CRRI Regional Research Station, Hazaribag attended the Workshop.❄

स्ट्रासा योजना कार्यशाला आयोजित

'अफ्रीका तथा दक्षिण एशिया के गरीब किसानों के लिए दबाव सहिष्णु चावल' विषय पर वार्षिक समीक्षा एवं योजना कार्यशाला १६ से १८ मार्च २००९ के दौरान नई दिल्ली में संपन्न हुई। कार्यशाला में बिल एंड मेलिंडा गेट्स संगठन द्वारा वित्त पोषित सूखा प्रजनन नेटवर्क, पूर्वी भारत वर्षाश्रित निचलीभूमि शट्ल प्रजनन नेटवर्क, उपरीभूमि शट्ल प्रजनन नेटवर्क, तथा लवणता प्रजनन नेटवर्क के घटकों की समीक्षा की गयी। डॉ.एस.पी. तिवारी, उपमहानिदेशक (फसल विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की। आईआरआरआई, फिलीपाइन्स परियोजना मुख्य डॉ.डेविड मैकिल ने कार्यशाला के उद्देश्यों तथा अपेक्षित परिणामों के बारे में वर्णन किया। बिल एंड मेलिंडा गेट्स संगठन के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ग्लोबल विकास के कार्यक्रम अधिकारी डॉ.डेबिड बर्गबिनसन ने बीएमजीएफ के अतंर्गत कृषि की उन्नति के लिए कार्यकलापों के बारे में कहा। वर्ष २००८-०९ की प्रगति की समीक्षा की गई तथा २००९-१० के लिए कार्य योजना तैयार की गई। डॉ. यू एस सिंह, दक्षिण एशिया, स्ट्रासा के परियोजना समन्वयक हैं। सीआरआरआई, कटक से डॉ. टी.के.अध्या, डॉ. डी.पी. सिंह, डॉ.के.आर. महाता डा. संजय साहा, डॉ.आर.के. सरकार, डॉ. बिजया भट्टाचार्जी, डॉ.जे.एन. रेड्डी, डॉ.पदमिनी स्वाईं, डॉ.पी सामल, श्री एस.एस.सी.पटनायक तथा श्री बी.सी.मरांडी तथा सीआरयूआरआरएस, हजारीबाग से डॉ.पी.के सिन्हा, डॉ.वी.डी शुक्ला, डॉ.एम. वरियर तथा डॉ.एन.पी. मंडल ने कार्यशाला में भाग लिया।❄

STRASA Team Visits Site at Ersama

THE CRRI, Cuttack, initiated a farmers' participatory on-farm research in Ersama block of Jagatsinghpur district, Orissa in 2004 under two ICAR-IRRI collaborative projects funded by the ADB and the Challenge Program on Water and Food. The objectives of these projects were to enhance the productivity of rice and rice-based cropping systems in salt-affected coastal areas for ensuring food security and improving livelihoods of poor farming communities. The "STRASA" project with funding from the BMGF was started in Jan 2008.

P. Kar

स्ट्रासा टीम का इर्सामा परिदर्शन

सीआरआरआई, कटक ने एडीबी तथा जल एवं खाद्य चुनौती कार्यक्रम द्वारा वित्त पोषित दो आईसीएआर-आईआरआरआई सहयोगात्मक परियोजनाओं के तहत २००४ में उड़ीसा के जगतसिंहपुर जिले के इर्सामा प्रखंड के किसानों के खेतों में किसान सहभागिता अनुसंधान कार्यक्रम आरंभ किया था। इनका उद्देश्य गरीब किसान समुदायों की जीविकाओं को सुधारने एवं खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लवण-आक्रांत तटीय क्षेत्रों में चावल तथा चावल आधारित फसल प्रणालियों की उत्पादकता में वृद्धि करना था। अफ्रीका तथा दक्षिण एशिया में गरीब किसानों के लिए दबाव सहिष्णु चावल' परियोजना के अंतर्गत चल रहे कार्यकलापों को मजबूती प्रदान करने एवं इन्हें जारी रखने के लिए

Dr David Bergvinson, BMGF, Dr David Mackill, Project Leader, STRASA and Dr U.S. Singh, Project Coordinator for South Asia, STRASA along with Dr T.K. Adhya visited the project site for coastal salinity in Ersama block on 20 Mar 2009 to review the progress of the project. A farmers' meeting was held in Nagari village. During the review the farmers' acknowledged that the use of improved varieties and management practices had helped them in increasing rice productivity, and improving their food security, livelihood and socio-economic status.❄

P. Kar

Smt Sarswati Das of Nagari village (above) and Shri N.J. Nanda of Chaulia village (below) spoke on their experience at the review.

P. Kar

CRRI Helps Farmers' in Agricultural Transformation

THROUGH intensive collaboration with farmers' in Ersama block of Jagatsinghpur district, Orissa, the CRRI has succeeded in increasing the area of dry season rice from 5% in 2004 to 36% in 2008. The area has high salinity. Results of an impact assessment study made through personal interview of 100 farmers from 11 villages showed that the increase in the dry season rice cropping was made possible through the use of high-yielding salt-tolerant rice varieties with improved crop management practices. In 2008, 4.3 t of seed was given to 780 farmers in 18 villages. Besides, many farmers produced seed for their own use and also exchanged it with other farmers. The study also showed that the area under non-rice crops such as sunflower, watermelon, chilli, groundnut and okra in the rice-based cropping system had increased from nil in 2004 to 7–9% during 2007-08. Smt Sarswati Das of Nagari village spoke on her experience with the newer technologies and said "The life of my family is better now. I am able to take care of their needs."❄

बिल एंड मेलिंडा गेट्स संगठन की निधि से जनवरी २००८ में आरंभ किया गया।

डॉ. डेविड बर्गविनसन, बीएमजीएफ, डॉ. डेविड मैकिल, स्ट्रासा के परियोजना मुख्य तथा डॉ. यू.एस. सिंह, स्ट्रासा के दक्षिण एशिया के परियोजना समन्वयक, डॉ.टी.के. अध्या के साथ मिलकर परियोजना कार्यकलापों की प्रगति की समीक्षा करने हेतु २० मार्च २००९ को इर्सामा प्रखंड में तटीय लवणता के परियोजना स्थल का दौरा किया। नागरी गांव में किसानों के साथ एक बैठक में किसानों ने स्वीकार किया कि उन्नत किस्मों एवं प्रबंधन खेती पद्धतियों से चावल उत्पादकता की वृद्धि हुई है तथा उनके खाद्य सुरक्षा, जीविका एवं सामाजिक-आर्थिक परिस्थिति में सुधार हुआ है।❄

सीआरआरआई द्वारा कृषि में बदलाव लाने के लिए किसानों को मदद

उड़ीसा के जगतसिंहपुर जिले के इर्सामा प्रखंड के किसानों के साथ गहन सहयोग के माध्यम से, सीआरआरआई ने शुष्क मौसम चावल क्षेत्र को वर्ष २००४ में ५% से सफलतापूर्वक बढ़ाकर वर्ष २००८ में ३६% कर दिया है। इस क्षेत्र में अत्यधिक लवण है। ग्यारह गांव के १०० किसानों के व्यक्तिगत साक्षात्कार के माध्यम से किया गया प्रभाव मूल्यांकन के अध्ययन से पता चला कि अधिक उपज देने वाली लवण-सहिष्णु चावल किस्मों का प्रयोग तथा उन्नत फसल प्रबंधन खेती पद्धतियों के कारण शुष्क मौसम चावल फसल में यह वृद्धि संभव हो सका है। वर्ष २००८ में १८ गांवों के ७८० किसानों को ४.३ टन बीज वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त, कई किसानों ने अपने प्रयोग के लिए बीजों का उत्पादन किया एवं दुसरे किसानों के साथ आदान-प्रदान भी किया। चावल-आधारित फसल प्रणाली में बिन-चावल फसलें जैसे सूर्यमुखी, तरबूज, मिर्च मूंगफली तथा भिंडी की वृद्धि २००४ में शून्य से २००७-२००८ के दौरान ७-९% हुई। नागरी गांव के श्रीमती सरस्वती दास ने नवीन प्रोद्योगिकियों को अपनाने के अपने अनुभवों के बारे में बताया तथा कहा कि 'मेरे परिवार की स्थिति अब बेहतर हो गई है। मैं उनकी आवश्यकताओं को पूरा कर पा रही हूं।'❄

Below left: Vast expanse of rice in Ersama block. *Centre:* The comparative photo shows rice Naveen (left) completely destroyed whereas the improved line (right) in the adjacent plot is luxuriant. *Right:* Farmer Smt Renubala Pradhan with her crop of sunflower.

Courtesy: D.P. Singh

CRRI Wins Sports Championship

THE CRRI, Cuttack lifted the overall Institute Championship Trophy at the ICAR Zonal Sports Tournament for Eastern Zone held at ICAR Research Complex for Eastern Region, Bihar Veterinary College Campus, Patna from 29 Jan to 2 Feb 2009. The CRRI won first position in kabaddi, football and 4 x 100 m relay race. It got the second position in volley shooting. Shri P.K. Parida, was judged as the Best Athlete of the Zone (male). In individual events the first position was secured by Shri P.K. Parida in 100 m race (men), 200 m race (men), 400 m race (men) and 800 m race (men). Shri A.K. Parida secured the first position in carrom (men). Shri S. Pradhan secured the first position and Shri R.C. Pradhan the second position in the 1,500 m race (men). Shri S.K. Pandey secured the second position in both the 100 m race (men) and 200 m race (men), and the third position in high jump (men). Smt Rojalia Kido secured the second position in shotput (women), discus (women) and javeline (women). Smt Belarani Mahana and Rojalia Kido secured the second position in badminton (women). Shri D.P. Behera secured the third position in javeline (men) and shotput (men). Dr R.K. Sahu was the Chief-de-Mission and Shri S.K. Mathur the Manager.❄

Institute Seminar

THE following talks were delivered:

Dr Mayabini Jena on "Bio-intensive Management of Rice Pests with Emphasis on Botanicals" on 2 Jan 2009.

Dr O.N. Singh on "Aerobic Rice for Sustainable Improvement" on 9 Jan 2009

Dr S. Sasmal on "Controlled Release of Pesticide" on 17 Jan 2009.

खेलकूद चैंपियनशिप में सीआरआरआई की जीत

आईसीएआर रिसर्च कांप्लैक्स फॉर इस्टर्न रिजन, बिहार के पशुचिकित्सा महाविद्यालय परिसर, पटना में २९ जनवरी से २ फरवरी २००९ के दौरान पूर्वी क्षेत्र के लिए आयोजित आईसीएआर क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में सीआरआरआई ने समग्र संस्थान चैंपियनशिप ट्राफी हासिल की। सीआरआरआई को कबड्डी, फुटबॉल तथा ४ x १०० रिले दौड़ में प्रथम स्थान मिला जबकि वॉली शूटिंग में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। श्री पी.के.परिडा को पुरुष वर्ग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। व्यक्तिगत खेल के पुरुष वर्ग में श्री पी.के.परिडा को १००, २००, ४०० तथा ८०० मीटर दौड़ में प्रथम स्थान मिला। श्री ए.के. परिड़ा को पुरुष वर्ग के क्यारॅम में प्रथम स्थान मिला। श्री एस. प्रधान को पुरुष वर्ग के १,५०० मीटर दौड़ में प्रथम स्थान मिला। श्री आर.सी. प्रधान को पुरुष वर्ग के १,५०० मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान मिला। श्री एस.के.पांडे को पुरुष वर्ग के १०० एवं २०० मीटर दौड़ में द्वितीय तथा हाई जंप में तृतीय स्थान मिला। श्रीमती रोजालिया किडो को महिला वर्ग के शॉटपुट, डिस्कस तथा जावेलिन में द्वितीय स्थान मिला। श्रीमती बेलारानी महाना तथा श्रीमती रोजालिया किडो को महिला वर्ग के बैडमिंटन में द्वितीय स्थान मिला। श्री डी.पी.बेहेरा को पुरुष वर्ग के जावेलिन में तथा शॉटपुट में तृतीय स्थान मिला। डॉ. आर.के. साहु चीफ-डी-मिशन तथा श्री एस.के. माथुर प्रबंधक थे।❄

संस्थान सेमिनार

डॉ. मायाबिनी जेना ने २ जनवरी २००९ को 'चावल नाशककीट के जैव-गहन प्रबंधन में वनस्पतियों के प्रयोग' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ.ओ.एन.सिंह ने ९ जनवरी २००९ को 'टिकाऊ सुधार के लिए एरोबिक चावल' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ.एस.सास्मल ने १७ जनवरी २००९ को 'कीटनाशकों के नियंत्रित छिड़काव' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ.डी.पी.सिन्हाबाबू ने 'चावल-मछली खेती-अतीत तथा भविष्य का अवलोकन' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ.आलोक रंजन राय, प्रोफेसर, सेंटर फॉर बायोमेडिकल इंजिनियरिंग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान

B. Behera

Dr Alok Ranjan Ray, spoke on "Issues in Developing Biodegradable Polymers."

Dr D.P. Sinhababu on "Rice-fish Farming—Looking Back and Forward" on 23 Jan 2009.

Dr Alok Ranjan Ray, Professor, Centre for Biomedical Engineering, Indian Institute of Technology, New Delhi, and the All India Institute of Medical Sciences, on "Issues in Developing Biodegradable Polymers" on 30 Jan 2009.

Dr K.S. Behera on "Faunal Diversity in Rice Fields" on 31 Jan 2009.

Dr R. Raja on "Technological Options for Restoring Agricultural Production in Tsunami-affected Agricultural Land" on 6 Feb 2009.

Dr P. Kaushal on "Apomixis: Experiences and Plans" on 6 Feb 2009.

Dr Sanjoy Saha on "Allelopathy Traits for Weed Management in Rice" on 13 Feb 2009.

Dr M.J. Baig on "Single Cell C_4 Photosynthesis System—Potential to Introduction in Rice" on 20 Feb 2009.

Dr R.C. Dani on "Use of Pheromones in Rice Insect Pest Management" on 27 Feb 2009.

Dr Sanjoy Saha on "Agro-techniques for Sustaining Productivity of Wet-direct Sown Summer Rice in Flood-prone Lowlands" on 27 Feb 2009.

Dr P.C. Rath on "IPM in SRI" on 6 Mar 2009.

Dr S.K. Apte, Associate Director, Bio-medical Group (B) and Head, Molecular Biology Division, Bhabha Atomic Research Centre (BARC), Mumbai, on "Genetic Manipulation of Nitrogen-fixing Cyanobacteria for Basic Research and Environmental Applications" on 9 Mar 2009.

Dr S.R. Dhua on "Plant Variety Registration" on 21 Mar 2009.

Shri Suvendu Das, on "Elevated Atmospheric Carbondioxide Alters Microbial Population Structure in Tropical Rice Soils" on 27 Mar 2009.

Dr B.C. Patra on "Genetic Resources in Rice" on 27 Mar 2009.❄

संस्थान ने ३० जनवरी २००९ को 'इशूज ऑन डेवलॉपिंग बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर्स' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ.के.एस. बेहेरा ने ३१ जनवरी २००९ को चावल के खेतों में प्राणि-समूह विविधता' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ.आर. राजा ने ६ फरवरी २००९ को 'सुनामी पीड़ित कृषि भूमि में कृषि उत्पादन के पुनरुत्थान के लिए प्रौद्योगिकीय विकल्प' पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ.पी. कौशल ने ६ फरवरी २००९ को 'एपोमिक्सिःअनुभवों एवं योजनाएं' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. संजय साहा ने १३ फरवरी २००९ को 'चावल में खरपतवार प्रबंधन के लिए अलेलोपैथी विशेषताएं' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ.एम.जे. बेग ने २० फरवरी २००९ को 'एकल कोशिका सी$_4$ प्रकाशसंश्लेषण प्रणाली-चावल में प्रवेश की संभाव्यता' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ.आर.सी. दानी ने २७ फरवरी २००९ को 'चावल नाशककीट प्रबंधन में फेरोमोन का प्रयोग' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ.संजय साहा ने २७ फरवरी २००९ को 'बाढ़-प्रवण निचलीभूमियों में आर्द्र-सीधी बुआई ग्रीष्म चावल की टिकाऊ उत्पादकता के लिए कृषि-तकनीक' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ.पी.सी.रथ ने ६ मार्च २००९ को 'एस आर आई में समेकित नाशककीट प्रबंधन' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ.एस.के. आप्टे, सह-निदेशक, बायोमेडिकल समूह (ख) तथा अध्यक्ष, आण्विक जीवविज्ञान प्रभाग, भाभा एटमिक रिसर्च सेंटर, मुंबई ने ९ मार्च २००९ को 'जेनेटिक मानीपुलेशन ऑफ नाइट्रोजन-फिक्सिंग सायनोबैक्टरिया फॉर बेसिक रिसर्च एंड एनवायरनमेंटल एप्लिकेशन' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ.एस.आर. धुआ ने २१ मार्च २००९ को 'पौध किस्म पंजीकरण' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

श्री सुवेंदू दास ने २७ मार्च २००९ को 'एलिवेटेड एटमसफेरिक कार्बनडाइआक्साइड अल्टर्स माइक्रोबायल पापुलेशन स्ट्राक्चर इन ट्रॉपिकल राइस सॉइलस्' विषय पर एक सेमिनार व्याख्यान दिया।

डॉ.बी.सी.पात्र ने २७ मार्च २००९ को 'चावल में आनुवंशिक संसाधन' पर एक व्याख्यान दिया।❄

Dr S.K. Apte gave a talk on "Genetic Manipulation of Nitrogen-fixing Cyanobacteria for Basic Research and Environmental Applications."

B. Behera

KVK, Santhapur

P.K. Mallick

SAC Held

The 10th Scientific Advisory Committee Meeting of the Krishi Vigyan Kendra, Santhapur, Cuttack was held on 23 Mar 2009 in its campus under the Chairmanship of Dr T.K. Adhya, Director, CRRI, Cuttack. The Members who attended were Dr S. S. Nanda, Dean (Extension Education), OUAT, Bhubaneswar and State Coordinator of KVK, Shri R. C. Senapati, Asstt. Engineer, O/S SCO, Shri K. Jena, Horticulturist, Shri H. Mallick, A.E. Mahanadi South Division Irrigation, Dr B.K. Panda, I/c CARI, Bhubaneswar, Dr Laxman Behera, CDVO, Cuttack, Shri R. C. Swain, DDA, Cuttack, Shri Sampad Mohapatra, Representative of Doordarshan, Shri Bhakta Praharaj, Farmer Representative, Shri Ashok Samal, Farmer Representative and Smt Pramila Ojha, Lady Farmer Representative. Dr Shiv Mangal Prasad was the Member-Secretary. The progress report from Apr 2008 to Mar 2009 was discussed. An Action Plan from Apr 2009 to Mar 2010 was finalized. One of the important decisions was to conduct demonstrations (FLDs) on identified technologies.❄

Farmer-scientist Interaction Programme

B. Behera

A Farmer-scientist Interaction programme was held in village Haladia of Mahanga block on 6 Mar 2009 under the Chairmanship of Dr T.K. Adhya, Director CRRI, Cuttack along with Drs S. Sasmal, B.C. Parida, Shri S.S.C Patnaik, B.B. Panda, S.M. Prasad, J.R. Mishra, Jyoti Nayak, S. Lenka and P.K. Mallick. The progressive farmers actively participated in the discussion on rice production technology and rice-based cropping system.❄

Training Programmes

Eleven training programmes for farmers/farmwomen/rural youth were conducted in "Integrated Farming System (Fish + Livestock)," "Care and Management of Dairy Animal," "Poultry Management," "Deworming of Small Ruminants," "Integrated Pest Management in Urdbean," "Integrated

कृषि विज्ञान केंद्र, संथपुर

एसएसी आयोजित

कृषि विज्ञान केंद्र, संथपुर की १०वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक २३ मार्च २००९ को अपने परिसर में डॉ. टी के.अध्या, निदेशक, सीआरआरआई की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के विस्तार शिक्षा के संकायाध्यक्ष एवं कृषि विज्ञान केंद्र के समन्वयक डॉ. एस.एस. नंद, एससीओ के सहायक इंजीनियर श्री आर.सी. सेनापति, बागवानी विशेषज्ञ श्री के.जेना, महानदी दक्षिण सिंचाई प्रभाग के सहायक इंजीनियर श्री एच.मलिक, सीएआरआई, भुवनेश्वर के प्रभारी डॉ. बी.के. पंडा, मुख्य प्रभागीय पशुचिकित्सा अधिकारी, कटक के डॉ. लक्ष्मण बेहेरा, कृषि उपनिदेशक, कटक के श्री आर.सी. स्वाईं, दूरदर्शन के प्रतिनिधि श्री संपद महापात्र, किसान प्रतिनिधि श्री भक्त प्रहराज, श्री अशोक सामल, महिला किसान प्रतिनिधि श्री प्रमिला ओझा तथा सदस्य सचिव डॉ. शिव मंगल प्रसाद उपस्थित थे। वर्ष २००८ के अप्रैल से वर्ष २००९ के मार्च तक कार्य योजना को अंतिम रूप दिया गया। पहचान की गई प्रौद्योगिकियों पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों (एफ एल डी) का आयोजन करने जैसे कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।❄

किसान-वैज्ञानिक विचार-विनिमय कार्यक्रम

डॉ.टी.के. अध्या, निदेशक, सीआर आरआई, कटक की अध्यक्षता में ६ मार्च २००९ को महांगा प्रखंड के हलदिया गांव में किसान-वैज्ञानिक विचार-विनिमय के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें डॉ.एस.सास्मल, डॉ.बी.सी.परिडा, डॉ.एस.एस.सी. पटनायक, डॉ.बी.बी. पंडा डॉ.एस.एम. प्रसाद डॉ.जे.आर मिश्र, डॉ.ज्योति नायक, डॉ.एस. लेंका, डॉ.पी.के.मलिक उपस्थित थे। प्रगतिशील किसानों ने चावल उत्पादन प्रौद्योगिकी तथा चावल आधारित फसल प्रणाली के विषय से संबंधित विचार-विमर्श कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।❄

प्रशिक्षण कार्यक्रम

'समेकित कृषि प्रणाली (मछली अ पशुधन)', 'डेयरी पशुओं की देख-रेख एवं प्रबंधन', कुक्कुट पालन एवं प्रबंधन', 'छोटे पशुओं की डीवार्मिंग', 'उड़द बीन में समेकित कीट प्रबंधन', मूंगफली में समेकित कीट प्रबंधन' तथा 'मशरूम खेती के माध्यम से महिला किसानों का

Pest and Disease Management in Groundnut" and "Entrepreneurship and Economic Development of Farmwomen through Mushroom Cultivation." A total of 350 farmers / farmwomen / rural youths of KVK adopted villages were benefited by these training programmes.❄

आर्थिक विकास एवं 'उद्यम' पर किसानों, महिला किसानों, ग्रामीण युवकों के लिए ग्यारह प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा अपनाए गये गांवों के कुल ३५० किसान/महिला किसान/ग्रामीण युवकों को लाभ मिला।❄

Field Day on Groundnut

A field day on groundnut was conducted in village Guali of Salepur Block on 11 Mar 2009 in which 80 progressive farmers participated. Dr G.J.N. Rao, Principal Scientist and Head, Division of Crop Improvement, CRRI, Cuttack visited the groundnut (variety TMV 2) FLD fields. Problems faced by the farmers in the cultivation of groundnut were addressed.❄

B. Behera

Dr G.J.N. Rao (third from left) examines the groundnut crop in village Guali during the "Field Day on Groundnut."

मूंगफली पर क्षेत्र दिवस

सालेपुर प्रखंड के गुआली गांव में ११ मार्च २००९ को मूंगफली पर क्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया जिसमें ८० प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। डॉ.जी.जे.एन. राव, प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, फसल उन्नयन प्रभाग, सीआरआरआई, कटक ने मूंगफली (किस्म टीएमवी २) अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन खेतों का दौरा किया। किसानों द्वारा सामना की जा रही मूंगफली से संबंधित समस्याओं का समाधान किया गया।❄

Frontline Demonstrations

FLD on paddy straw mushroom was conducted in Dharpur of Mahanga block benefiting 60 farmwomen.

FLD on improved sickle for reducing the drudgery of farm women and to increase their efficiency was held in Kadei village on 12 Jan 2009. Improved sickles were distributed to the Baba Jhadeswar Self-help Group.

FLD on CRRI rice husk stove was conducted at village Bainchua of Santhapur on 13 Jan 2009.❄

P.K. Mallick

The CRRI rice husk stove was distributed to farmwomen in village Bainchua.

अग्रिमपंक्ति प्रदर्शनी

माहांगा प्रखंड के धारपुर गांव में पुआल मशरूम पर अग्रिमपंक्ति प्रदर्शनी आयोजित की गई जिससे ६० महिला कृषकों को लाभ मिला। कड़ेई गांव के १२ जनवरी २००९ को महिला कृषकों की कार्यक्षमता में वृद्धि कराने तथा श्रम को कम करने के लिए सुधरित हंसिया पर अग्रिमपंक्ति प्रदर्शनी आयोजित की गई। बाबा झाड़ेश्वर नामक स्वयं सहायता समूह को सुधरित हंसिया वितरित की गयी। संथपुर के बाइंचुआ गांव में १३ जनवरी २००९ को सीआरआरआई विकसित चावल भूसी चूल्हा पर अग्रिमपंक्ति प्रदर्शनी आयोजित की गई।❄

Deworming Camp of Small Ruminants

Deworming camp of small ruminants was organized in villages Uchhapada and Bainchua of Tangi-Choudwar block in collaboration with the Sub-Divisional Veterinary Officer, Cuttack on 4 Mar 2009. A total of 322 animals were dewormed with Albomar medicines and injected with Belamyl and Livosin against parasitic diseases.❄

A deworming camp for small ruminants was held in villages Uchhapada and Bainchua.

Courtesy: P.K. Mallick

छोटे जुगाली पशुओं का डीवर्मिंग शिविर

उप-प्रभागीय पशुचिकित्सा अधिकारी, कटक के सहयोग से टांगी चौद्वार प्रखंड के उच्चपदा एवं बाइंचुआ गांवों में छोटे जुगाली पशुओं के लिए एक डीवर्मिंग शिविर का आयोजन किया गया। कुल ३२२ पशुओं को एलबोमार दवाइओं से डीवर्मिंग किया गया एवं परजीवी रोगों के लिए बेलमाइल तथा लिवोसिन इंजेक्शन दिया गया।❄

Exhibitions

Courtesy: IARI, New Delhi

THE CRRI participated in the Pusa Krishi Vigyan Mela from 23 to 26 Feb 2009 at IARI, New Delhi. The exhibition was inaugurated by Shri Sharad Pawar, Hon'ble Union Minister of Agriculture. Shri P. Jana and Shri P.K. Mohanty explained the exhibits.

The CRRI also participated in the State Agriculture Exhibition "Krishi Mahotsav 2008–09" from 19–21 Feb 2009 at Bhubaneswar. The exhibition was inaugurated by Shri S.N. Nayak, Hon'ble Minister of Agriculture, Government of Orissa. The CRRI exhibits were explained by Shri S.M. Chatterjee, Shri B.D. Ojha and Shri A.K. Parida.

The CRRI Regional Research Station, Hazaribag participated in the farmers' fair organized by the BAU, Ranchi from 26 to 28 Feb 2009, and displayed technologies on rice and package of practices suitable for Jharkhand.❄

प्रदर्शनी

सीआरआरआई ने २३ से २६ फरवरी २००९ के दौरान आईएआरआई, नई दिल्ली में आयोजित पूसा कृषि विज्ञान मेला में भाग लिया। श्री शरद पवार, माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। श्री पी.जाना तथा श्री पी.के.महांती ने प्रदर्शित चीजों के बारे में बताए। सीआरआरआई ने १९-२१फरवरी २००९ के दौरान भुवनेश्वर में आयोजित राज्य कृषि प्रदर्शनी 'कृषि महोत्सव २००८-०९' में भाग लिया। श्री एस.एन. नायक, उडीसा राज्य के माननीय कृषि मंत्री ने इसका उद्घाटन किया। श्री एस.एम. चटर्जी, श्री बी.डी.ओझा तथा श्री ए.के.परिड़ा ने सीआरआरआई द्वारा प्रदर्शित चीजों के में बताए।

सीआरआरआई का क्षेत्रीय चावल अनुसंधान केंद्र, हजारीबाग ने २६ से २८ फरवरी २००९ के दौरान बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची द्वारा आयोजित किसान मेला में भाग लिया तथा झारखंड के लिए उपयुक्त चावल खेती से संबंधित प्रौद्योगिकियों तथा पद्धतियों का प्रदर्शन किया गया।❄

Symposia/Seminars/ Conferences/Workshop/ Trainings Attended

DR S.R. Dhua attended the Mega Seed Project Review Meeting at NAS Complex, New Delhi from 5 to 6 Jan 2009.

Shri S.K. Sinha, SAO, imparted training on "Public Procurement: Objectives and Legal Framework" as per World Bank guidelines to Consortia partners of the NAIP at CIFE, Mumbai from 5 to 6 Jan 2009, at NIANP, Bengaluru from 15 to 16 Jan 2009, NAARM, Hyderabad from 29 to 30 Jan 2009, NDRI, Karnal from 3 to 4 Feb 2009 and IISR, Lucknow from 9 to 10 Feb 2009.

Drs Lipi Das and S. Lenka attended the winter school on "Advanced Tools and Techniques for Project Formulation, Implementation and Evaluation" at the Department of Extension Education, OUAT, Bhubaneswar during 5 to 25 Jan 2009.

Drs R. Raja and B.B. Panda attended the winter school on "Management Options for Waterlogged / excess Water Situation" at WTCER, Bhubaneswar during 7 to 27 Jan 2009.

Dr S.R. Dhua attended a meeting on DUS Testing organized by PVPFR authorities at Gujarat Agricultural University, Dantiwada, Gujarat on 8 Jan 2009.

Dr G.A.K. Kumar attended the Stake holders Workshop on "Development and Maintenance of Rice

संगोष्ठी/परिसंवाद/सम्मेलनों/कार्यशाला/ प्रशिक्षण में प्रतिभागिता

डॉ.एस.आर. धुआ ने ५ से ६ जनवरी २००९ के दौरान एनएसी कांप्लैक्स नई दिल्ली में बृहत् बीज परियोजना की समीक्षा बैठक में भाग लिया।

श्री एस.के. सिन्हा, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने एनएआईपी के संकाय सहभागियों को विश्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार 'लोक क्रयः लक्ष्य एवं कानूनी ढांचा' विषय पर ५ से ६ जनवरी २००९ को सीआरएफई मुंबई में, १५ से १६ जनवरी २००९ को एनआईएएनपी, बेंगलूरू में, २९ से ३० जनवरी २००९ को नार्म, हैदराबाद में, ३ से ४ फरवरी २००९ को एनडीआरआई, करनाल में, ३ से ४ फरवरी २००९ को आईआईएसआर, लखनऊ में प्रशिक्षण प्रदान किया।

डॉ. लिपि दास तथा डॉ. एस.लेंका ने ५ से २५ जनवरी २००९ के दौरान उड़ीसा कृषि तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के विस्तार शिक्षा विभाग में 'परियोजना सूत्रण, कार्यान्वयन तथा मूल्यांकन के लिए विकसित उपकरण तथा तकनीक' विषय पर आयोजित शीतकालीन पाठ्यक्रम में भाग लिया।

डॉ.आर. राजा तथ डॉ.बी.बी. पंडा ने ७ से २७ जनवरी २००९ के दौरान पूर्वांचल जल प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र, भुवनेश्वर में 'जलांक्रात/ अत्यधिक जल परिस्थिति के लिए प्रबंधन के विकल्प' विषय पर आयोजित शीतकालीन पाठ्यक्रम में भाग लिया।

डॉ.एस.आर. धुआ ने ८ जनवरी २००९ को गुजरात कृषि विश्वविद्यालय, दांतेवड़ा, गुजरात में डीयूएस परीक्षण पर पीवीपीएफआर प्राधिकारियों द्वारा आयोजित एक बैठक में भाग लिया।

डॉ. जी.ए.के.कुमार ने ९ जनवरी २००९ को चावल अनुसंधान

Knowledge" at the Directorate of Rice Research (DRR), Hyderabad on 9 Jan 2009.

Dr T.K. Adhya attended the INSA Platinum Jubilee meeting at New Delhi from 10 to 11 Jan 2009.

Dr T.K. Adhya attended the ICAR Directors' Conference at New Delhi from 15 to 17 Jan 2009.

Dr K. Srinivasa Rao attended the Selection Committee meeting as an expert for assessing the promotion cases of ARS Scientists in Agronomy at DRR, Hyderabad on 19 Jan 2009.

Dr B. Ramakrishnan was invited to deliver a lecture on "Genetic Fingerprinting of Microbial Communities by T-RFLP," in the training programme on "Novel and Innovative Biochemical and Molecular Tools for Characterization of Agriculturally Important Microorganisms," organized by the NBAIM, Mau on 19 Jan 2009.

Dr T.K. Adhya attended the ICAR-IRRI Work Plan (2009–2012) meeting at ICAR, New Delhi on 20 Jan 2009.

Dr S.K. Rautaray attended the monitoring and evaluation meeting of NAIP subprojects "Livelihood Promotion through Integrated Farming System in Assam" under component-III on 22 Jan 2009.

Drs T.K. Adhya and R.N. Rao attended the NFSM meeting on Hybrid Rice at Krishi Bhawan, New Delhi on 28 Jan 2009.

Drs M. Variar, D. Maiti and Md. Arif attended the training workshop on "DNA-markers, MAS and Allele Mining for Consortium Partner (NAIP; Component 4; Rice Blast)" at NRCPB, New Delhi from 29 Jan to 11 Feb 2009.

Dr T.K. Adhya attended the Rice-Wheat Consortium Meeting at New Delhi from 2 to 3 Feb 2009.

Drs Mayabini Jena, D. Maiti and Amal Ghosh attended the 4th World Congress on Conservation Agriculture at New Delhi during 4 to 7 Feb 2009.

Dr S.R. Dhua attended the seminar on "Maintenance of Pure Stock of Genotypes and Reference Varieties" and the Plant Genome Saviour Community Recognition function organized by PPVFR authorities at NASC, New Delhi on 12 Feb 2009.

Dr K. Srinivasa Rao delivered a lecture on "Nutrient Management in Rainfed Rice-based Cropping Systems for the trainees of the short course on "Site-specific Integrated Nutrient Management in Rice and Rice-based Cropping Systems" at DRR, Hyderabad on 12 Feb 2009.

Dr P.K. Mallick attended the National Symposium on "Livestock Biodiversity Conservation and Utilization: Lessons from Past and Future Perspectives" at the National Bureau of Animal Genetic Resources, Karnal from 12 to 13 Feb 2009.

निदेशालय, हैदराबाद में 'चावल संबंधी ज्ञान के विकास एवं रखरखाव' पर आयोजित स्टेक होल्डर्स कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ टी.के. अध्या ने १० से ११ जनवरी २००९ के दौरान नई दिल्ली के भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी में आयोजित प्लेटिनम रजत जयंती बैठक में भाग लिया।

डॉ. टी.के.अध्या ने १५ से १७ जनवरी २००९ के दौरान नई दिल्ली में आयोजित निदेशक सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ. के.श्रीनिवास राव ने १९ जनवरी २००९ को चावल अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद के सस्यविज्ञान प्रभाग के कृषि अनुसंधान के वैज्ञानिकों की पदोन्नति से संबंधित मामलों का मूल्यांकन के लिए बुलाई गई चयन समिति की बैठक में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

डॉ. बी.रामकृष्णन को १९ जनवरी २००९ को एनबीएआईएम, माउ द्वारा 'महत्वपूर्ण कृषि सूक्ष्मजीवों के लक्षण वर्णन के लिए अनूठा एवं नया जैवरासायनिक तथा आण्विक उपकरण' विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'टी-आरएफएलपी द्वारा माइक्रोबॉयल समुदायों का जेनेटिक फिंगरप्रिंटिंग' विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

डॉ. टी.के. अध्या ने २० जनवरी २००९ को नई दिल्ली में आयोजित आईसीएआर-आईआरआरआई कार्ययोजना (२००९-२०१२) बैठक में भाग लिया।

डॉ.एस.के.राउतराय ने २२ जनवरी २००९ को घटक III के तहत 'असम में समेकित कृषि प्रणाली के माध्यम से जीविका सुधार' शीर्षक एनएआईपी उपपरियोजनाओं की निगरानी एवं मूल्यांकन बैठक में भाग लिया।

डॉ. टी.के.अध्या तथा डॉ.आर.एन. राव ने २८ जनवरी २००९ को कृषि भवन, नई दिल्ली में संकर चावल पर आयोजित एनएफएसएम की बैठक में भाग लिया।

डॉ.एम. वरियर, डॉ.डी. मैती तथा डॉ.मोहम्मद अरिफ ने २३ जनवरी, से ११ फरवरी, २००९ के दौरान एन आरसीपीबी, नई दिल्ली में 'संकाय सहभागी (एनएआईपी, घटक ४ : चावल प्रध्वंस) के लिए डीएनए-चिन्हकों, चिन्हक सहायतित चयन तथा अलएल खनन)' विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. टी.के.अध्या ने २ से ३ फरवरी २००९ के दौरान नई दिल्ली में आयोजित चावल-गेहूं संकाय बैठक में भाग लिया।

डॉ.मायाबिनी जेना, डॉ.डी.मैती तथा डॉ.अमल घोष ने ४ से ७ फरवरी २००९ को नई दिल्ली में संरक्षण कृषि पर आयोजित चौथा विश्व कांग्रेस में भाग लिया।

डॉ.एस.आर. धुआ ने १२ फरवरी २००९ को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान कांप्लैक्स, नई दिल्ली में पीपीवीएफआर प्राधिकारियों द्वारा आयोजित 'जीनप्ररूपों के शुद्ध भंडार तथा संदर्भ किस्म' एवं प्लांट जीनोम सैवियर कम्यूनिटी रिकॉगनिशन समारोह में भाग लिया।

डॉ.के.श्रीनिवास राव ने ४ से १३ फरवरी २००९ के दौरान चावल अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद में 'चावल तथा चावल-आधारित फसल प्रणालियों में स्थान-विशिष्ट समेकित पोषक प्रबंधन शीर्षक पर लघु पाठ्यक्रम के प्रशिक्षार्थियों के लिए 'वर्षाश्रित चावल-आधारित फसल प्रणालियों में पोषक प्रबंधन' विषय पर व्याख्यान दिया।

Dr P. Samal attended the 41st Annual Conference of the Orissa Economics Association at the Utkal University, Bhubaneswar from 14 to 15 Feb 2009.

Dr S.R. Dhua attended a sensitization workshop and acted as a resource person on PPV&FRA at OUAT, Bhubaneswar on 18 Feb 2009.

Dr G.J.N. Rao attended the Institute Management Committee Meeting of the DRR, Hyderabad as a Member at DRR, Hyderabad on 21 Feb 2009.

Drs T.K. Adhya and K. Srinivasa Rao attended the Research Advisory Committee meeting of the DRR, Hyderabad at DRR, Hyderabad from 23 to 24 Feb 2009.

Drs T.K. Adhya and S.R. Dhua attended the Annual Breeder Seed Review Meeting with the DDG (CS), ICAR at NBPGR, New Delhi on 24 Feb 2009.

Dr J.R. Mishra attended the exposure visit at Pusa Kisan Mela, New Delhi from 23 to 26 Feb 2009.

Dr S.M. Prasad attended the National Seminar of Agricultural Extension at NASC Complex, New Delhi from 26 to 27 Feb 2009.

Dr B. Ramakrishnan attended the "Conference for Fulbrighters in South Asia—Role of Fulbright Program in Promoting Educational Collaborations," organized by the United States-India Educational Foundation (USEFI), New Delhi in Kolkata from 2 to 4 Mar 2009.

Dr S.R. Dhua attended a meeting of rice breeders for discussions on various aspects of the registration of Extant Notified Varieties at the DRR, Hyderabad on 4 Mar 2009.

Drs Urmila Dhua, T.K. Dangar and B. Ramakrishnan attended the Brain-Storming Session on "Plant-Microbe Interactions," sponsored by the Department of Science and Technology, Government of India, and organized at the MACS-Agharkar Research Institute, Pune from 6 to 7 Mar 2009.

Dr S.K. Rautaray acted as a resource person in the training programme for farmers on "Production Technology for *Ahu* and *Boro* rice" organized by the KVK, Nalbari district at Barkhetri village on 13 Mar 2009.

Drs P.K. Sinha and R.K. Singh attended the workshop on "Integrated Farming System Models for Eastern Region of India" at the Indian Institute of Natural Resins and Gums, Ranchi on 13 Mar 2009.

Dr A.K. Shukla as a representative of the east zone attended the Indian Society of Soil Science Council's Meeting on 14 Mar 2009 at IARI, New Delhi.

Dr T.K. Adhya attended the review meeting on "Stress-tolerance in Rice," of the Bill and Melinda Gates Project at New Delhi from 16 to 18 Mar 2009.

Drs P. Samal and Sanjoy Saha attended the Planning Meeting of the IRRI supported project on "Stress-

डॉ.पी.के.मलिक ने १२ सं १३ फरवरी, २००९ के दौरान राष्ट्रीय पशु आनुवंशिकी संसाधन ब्यूरो, करनाल में 'पशुधन जैवविविधता संरक्षण तथा उपयोगः पिछले अनुभव तथा भावी परिप्रेक्ष्य' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में भाग लिया।

डॉ.पी.सामल ने १४ से १५ फरवरी २००९ के दौरान उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में उड़ीसा अर्थशात्र संघ के ४१वां वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ.एस.आर. धुआ ने १८ फरवरी २००९ को उड़ीसा कृषि तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में आयोजित संवेदन ग्रहण कार्यशाला में पीपीवी एवं एफआरए के संबल व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

डॉ.जी.जे.एन. राव ने २१ फरवरी २००९ को डीआरआर, हैदराबाद में डी आरआर की संस्थान प्रबंधन समिति बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।

डॉ. टी.के. अध्या तथा डॉ. के. श्रीनिवास राव ने २३ से २४ फरवरी २००९ के दौरान डी आर आर, हैदराबाद में आयोजित अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।

डॉ.टी.के.अध्या तथा डॉ.एस.आर. धुआ ने २४ फरवरी २००९ को राष्ट्रीय पौध आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, नई दिल्ली में उपमहानिदेशक (फसल विज्ञान), भा.कृ.अनुप के साथ वार्षिक प्रजनक बीज समीक्षा बैठक में भाग लिया।

डॉ.जे.आर. मिश्र ने २३ से २६ फरवरी २००९ के दौरान नई दिल्ली में आयोजित पूसा किसान मेला में भाग लिया।

डॉ.एस.एम. प्रसाद ने २६ से २७ फरवरी २००८ के दौरान एनएएससी कांप्लैक्स, में आयोजित कृषि विस्तार की राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

डॉ.बी. रामकृष्णन ने २ से ४ मार्च २००९ के दौरान नई दिल्ली स्थित संयुक्त राष्ट्र-भारत शैक्षिक संगठन (यूएसईएफआई) द्वारा कोलकाता में 'दक्षिण भारत में फूलब्राइट-शैक्षिक सहयोग की वृद्धि हेतु फूलब्राइट कार्यक्रम की भूमिका' विषय पर आयोजित सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ.एस.आर. धुआ ने ४ मार्च २००९ को चावल अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद में वर्तमान अधिसूचित किस्मों के पंजीकरण के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करने के लिए चावल प्रजनकों की बैठक में भाग लिया।

डॉ.उर्मीला धुआ, डॉ.टी.के.दंगाल तथा डॉ. बी.रामकृष्णन ने ६ से ७ मार्च २००९ के दौरान भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित तथा एमएसीएस-अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे में 'पौध-रोगाणु पारस्परिक क्रिया ' विषय पर आयोजित बुद्धि-मंथन सत्र में भाग लिया।

डॉ.एस.के.राउतराय ने १३ मार्च, २००९ को कृषि विज्ञान केंद्र, नालबाड़ी द्वारा बरखेतरी गांव में' *आहु* एवं *बोरो* चावल की उत्पादन प्रौद्योगिकी' विषय पर आयोजित किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबल व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

डॉ पी.के.सिन्हा तथा डॉ.आर.के. सिंह में १३ मार्च २००९ को भारतीय प्राकृतिक राल एवं गोंद संस्थान रांची, में 'भारत के पूर्वी क्षेत्र के लिए समेकित खेती प्रणाली के नमूने' विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ.ए.के.शुक्ला १४ मार्च २००९ को आईएआरआई, नई दिल्ली में भारतीय मृदा विज्ञान परिषद संघ की बैठक में पूर्व क्षेत्र के प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया।

डॉ.टी.के.अध्या ने १६ से १८ मार्च २००९ के दौरान नई दिल्ली में बिल एंड मेलिंडा गेट्स परियोजना के 'चावल में दबाव-सहिष्णु' विषय पर आयोजित समीक्षा बैठक में भाग लिया।

डॉ.पी. सामल तथा डॉ.एस. साहा ने एनएएससी कांप्लैक्स, नई दिल्ली

tolerant Rice for Poor Farmers in Africa and South Asia" at NASC Complex, New Delhi from 16 to 18 Mar 2009.

Drs P.K. Sinha, V.D. Shukla, M. Variar and N.P. Mandal attended the Annual Review and Planning Meeting of STRASA from 16 to 18 Mar 2009 organized by IRRI at NASC Complex, New Delhi.❄

Foreign Deputations

DR N.P. Mandal was deputed to IRRI, the Philippines to compile and analyze the data generated over the last three years and to prepare the final report of the ICAR-IRRI collaborative research project "Development and Disseminating Resilient and Productive Rice Varieties for Drought-prone Environments in India" from 25 Jan to 28 Feb 2009.

Drs R.N. Das, O.N. Singh and A. Ghosh were deputed to IRRI, the Philippines to attend the Training-cum-Meeting of the ADB funded project "Development and Dissemination of Water-saving Rice Technologies in South Asia" from 16–20 Feb 2009.

Dr T.K. Adhya attended the Annual Review and Planning Meeting of the ADB Funded Project at IRRI, Philippines from 19–20 Feb 2009.❄

Appointments

DR S.G. Sharma joined as Head, Division of Biochemistry, Plant Physiology and Environmental Science on 15 Jan 2009.❄

Promotions

THE following personnel were promoted:
Shri M.N. Bora, Fieldman from T-4 to T-5 w.e.f. 1 Jan 2005.

Dr T.K. Dangar, Senior Scientist to Principal Scientist w.e.f. 27 July 2006.

Dr Sanjukta Das and Shri Ashok Patanaik from Senior Scientist to Principal Scientist w.e.f. 27 July 2007.

Shri B.K. Mohanty, Hindi Translator from T-4 to T-5 w.e.f. 1 Dec 2007.

Shri Subodh Kumar Mohapatra, Field Assistant, Shri Ramesh Chandra Bhoi, Field Assistant and Shri Pranakrishna Sahu, Field Assistant from T-4 to T-5 w.e.f. 15 Sep 2007.

Shri Sukadev Swain, Mechanic from T-3 to T-4 w.e.f. 1 Jan 2008.

Shri Subodha Kr. Sahoo and Shri Satyabrata Nayak from U.D.C. to Assistant w.e.f. 21 Feb 2009.

Shri Sanjeeb Kr. Sahoo and Smt Manasi Das from L.D.C. to U.D.C. w.e.f. 23 Feb 2009.

Shri Sahadev Naik, Shri Budhia Rout, Shri America

में १६ से १८ मार्च २००९ के दौरान आई आर आर आई द्वारा समर्थित परियोजना 'अफ्रीका एवं दक्षिण एशिया में गरीब किसानों के लिए दबाब-सहिष्णु चावल' विषय पर आयोजित चोयना बैठक में भाग लिया।

डॉ.पी.के. सिन्हा, डॉ.वी.डी. शुक्ला, डॉ.एम. वरियर तथा डॉ.एन.पी. मंडल ने एनएएससी कांप्लैक्स,में १६ से १८ मार्च २००९ के दौरान आरआरआई द्वारा आयोजित स्ट्रासा की वार्षिक समीक्षा तथा योजना में भाग लिया।❄

विदेश प्रतिनियुक्ति

डॉ.एन.पी. मंडल को २५ जनवरी से २८ फरवरी, २००९ की अवधि के दौरान 'भारत में सूखा-प्रवण पर्यावरण के लिए लोचदार एवं उत्पादनकारी चावल किस्मों का विकास एवं प्रसार' शीर्षक आईसीएआर-आईआरआरआई सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना की अंतिम रिपोर्ट तैयार करने तथा पिछले तीन सालों में उत्पन्न हुए आंकडों का संकलन एवं विश्लेषण करने के लिए आई आर आर आई, फिलीपाइन्स प्रतिनियुक्त किया गया।

डॉ.आर.एन. दास, डॉ.ओ.एन. सिंह, तथा डॉ. अमल घोष ने १६ से २० फरवरी २००९ तक 'दक्षिण एशिया में जल-बचत चावल प्रौद्योगिकियों का विकास एवं प्रचार' पर एडीबी द्वारा पोषित परियोजना के प्रशिक्षण-सह-बैठक कार्यक्रम में भाग लेने हेतु आईआरआरआई, फिलीपाइन्स प्रतिनियुक्त किया गया।

डॉ टी.के.अध्या को १९ से २० फरवरी २००९ की अवधि तक एडीबी पोषित परियोजना के वार्षिक समीक्षा तथा योजना बैठक में भाग लेने हेतु आईआरआरआई, फिलीपाइन्स प्रतिनियुक्त किया गया।❄

नियुक्तियां

डॉ.एस.जी. शर्मा ने १५ जनवरी २००९ को जीवरसायन, पौध कार्यिकी एवं पर्यावरण विज्ञान प्रभाग के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला।❄

पदोन्नति

श्री एम.एन. बोरा, फिल्डमैन को टी-४ से टी -५ के पद में जनवरी २००५ से पदोन्नति मिली।

डॉ.टी.के. दंगाल को वरिष्ठ वैज्ञानिक से प्रधान वैज्ञानिक के पद में २७ जुलाई २००६ से पदोन्नति मिली।

डॉ.संयुक्ता दास तथा श्री आशोक पटनायक को वरिष्ठ वैज्ञानिक से प्रधान वैज्ञानिक के पद में २७ जुलाई २००७ से पदोन्नति मिली ।

श्री बी.के. महांती, हिंदी अनुवादक को टी-४ से टी-५ के पद में १ दिसंबर २००७ से पदोन्नति मिली।

श्री सुबोध कुमार महापात्र, क्षेत्र सहायक, श्री रमेश चंद्र भोई, सहायक तथा श्री प्राणकृष्ण साहु, क्षेत्र सहायक को टी-४ से टी-५ के पद में १५ सितंबर २००७ से पदोन्नति मिली।

श्री सुखदेव स्वाईं, मैकानिक को टी-३ से टी-४ के पद में १ जनवरी २००८ से पदोन्नति मिली।

श्री सुबोध कुमार साहु तथा श्री सत्यव्रत नायक को अवर श्रेणी लिपिक से सहायक के पद में २१ फरवरी २००९ से पदोन्नति मिली।

श्री संजीव कुमार साहु तथा श्रीमती मानसी दास को निम्न श्रेणी लिपिक से उच्च श्रेणी लिपिक के पद में २३ फरवरी २००९ से पदोन्नति मिली।

श्री सहदेव नायक, श्री बुधिया राउत, श्री अमेरिका ओरान तथा श्री

Oraon and Shri Sankhai Soren from S.S.GR.III to GR.IV w.e.f. 27 Feb 2009.

Shri Gadadhar Rout, Shri Dambarudhar Das, Shri Madan Mohan Nayak and Shri R.N. Acharya from S.S.GR.II to GR.III w.e.f. 27 Feb 2009.

Shri Duryodhan Naik from S.S.GR.I to GR.II w.e.f. 27 Feb 2009.

Shri Banamali Bhoi and Shri Abdul Bari Khan from S.S.GR.II to GR.III w.e.f. 28 Feb 2009.

Shri Liladhar Mahto from S.S.GR.I to GR.II w.e.f. 28 Feb 2009.

Shri Manik Bindhani and Shri Nadura Singh from S.S.GR.III to GR.IV w.e.f. 2 Mar 2009.

Shri R.N. Moharana, Shri Suma Pradhan, Shri Fakir Ch. Sahu, Shri Jogendra Biswal and Smt Snehalata Biswal from S.S.GR.II to GR.III w.e.f. 7 Mar 2009.

Shri Naka Rout from S.S.GR.II to GR.III w.e.f. 9 Mar 2009.❄

Retirement

SHRI A.V. Suriya Rao, Principal Scientist and Shri Bhaskar Das, Scientist (Senior Scale) retired on 31 Jan 2009.

Shri M.M. Behera, T-4 retired on 28 Feb 2009.❄

संखाई सोरेन को एसएस ग्रेड-III से एसएस ग्रेड-IV के पद में २७ फरवरी २००९ से पदोन्नति मिली।

श्री गदाधर राउत, श्री डंबरुधर दास, श्री मदन मोहन नायक तथा श्री आर.एन. आचार्य को एसएस ग्रेड-II से एसएस ग्रेड-III के पद में २७ फरवरी २००९ से पदोन्नति मिली।

श्री दुर्योधन नायक को एसएस ग्रेड-I से एसएस ग्रेड-II के पद में २७ फरवरी २००९ से पदोन्नति मिली।

श्री वनमाली भोई तथा श्री अब्दूल बारी खान को एसएस ग्रेड-II से एसएस ग्रेड-III के पद में २८ फरवरी २००९ से पदोन्नति मिली।

श्री लीलाधर महतो को एसएस ग्रेड-I से एसएस ग्रेड-II के पद में २८ फरवरी २००९ से पदोन्नति मिली।

श्री माणिक बिंधाणी तथा नादुरा सिंह को एसएस ग्रेड-III से एसएस ग्रेड-IV के पद में २ मार्च २००९ से पदोन्नति मिली।

श्री आर.एन. महाराणा, श्री सुमा प्रधान, श्री फकीर चंद्र साहु, श्री जोगेंद्र विश्वाल तथा श्रीमती स्नेहलता विश्वाल को एसएस ग्रेड-II से एसएस ग्रेड-III के पद में ७ मार्च २००९ से पदोन्नति मिली।

श्री नाका राउत को एसएस ग्रेड-II से एसएस ग्रेड-III के पद में ९ मार्च २००९ से पदोन्नति मिली।❄

सेवानिवृत्ति

श्री ए.वी.सुरिया राव, प्रधान वैज्ञानिक तथा श्री बी.दास, वैज्ञानिक (वरिष्ठ व) ३१ जनवरी २००९ को सेवानिवृत्त हुए। श्री एम.एम.बेहेरा, टी-४ २८ फरवरी २००९ को सेवानिवृत्त हुए।❄

Publications

SAHA, Sanjoy, and Rao, K.S., 2008. Rainfall variability study for crop planning under rainfed production system for Western Orissa. *Oryza* 45 (3): 216–221.

Sinhababu, D.P., Mahata, K.R. and Saha, Sanjoy, 2008. Participatory approach to rice-fish farming in Coastal ecosystem: Prospects and value addition. *Journal of Indian Society of Coastal Agricultural Research*, 26 (1): 44–47.

Gupta, P.K., Gupta, V., Sharma, C., Das, S.N., Purkait, N., Adhya, T.K., Pathak, H., Ramesh, R., Baruah, K.K., Venkatratnam, Singh, G. and Iyer, C.S.P., 2009. Development of methane emission factors for Indian paddy fields and estimation of national methane budget. *Chemosphere* 74: 590-598.

Mohanty, S.R., Bharati, K., Rao, V.R. and Adhya, T.K., 2009. Dynamics of changes in methanogenesis and associated microflora in a flooded alluvial soil following repeated application of dicyandiamide, a nitrification inhibitor. *Microbiological Research* 164: 71-80.

Mohapatra, P.K., Sarkar, R.K. and Kumar, S.R., 2009. Starch synthesizing enzymes and sink strength of grains of contrasting rice cultivars. *Plant Science*, 176: 256–263.

Nayak, P., Patel, D., Ramakrishnan, B., Mishra, A.K., and Samantaray, R.N., 2009. Long-term application effects of chemical fertilizer and compost on soil carbon under intensive rice-rice cultivation. *Nutrient Cycling in Agroecosystems* 83: 259–269.

Sarkar, R.K., Panda, Debabrata, 2009. Distinction and characterization of submergence tolerant and sensitive rice cultivars, probed by the fluorescence OJIP rise kinetics. *Functional Plant Biology* 36: 222–233.❄

Director: T.K. Adhya

Compilation: G.A.K. Kumar and Sandhya Rani Dalal

Hindi translation: G. Kalundia and B.K. Mohanty

Editor: Ravi Viswanathan

Laser typeset at the Central Rice Research Institute, Indian Council of Agricultural Research, Cuttack (Orissa) 753 006, India, and printed in India by the Capital Business Service and Consultancy, Bhubaneswar (Orissa) 751 007. Published by the Director, for the Central Rice Research Institute, ICAR, Cuttack (Orissa) 753 006.